लेकिन अभी मैंटल हैल्थ इंस्टीट्यूट बंगलौर में हमने दस बैड रखे हैं जिसमें आयुर्वेदिक पद्धति से भी उनकी कुछ देखभाल की जाती है, विशेष प्रकार के मसाज, तेल इत्यादि हैं।

श्री भागवत झा आजाद : इस विवरण से पता लगता है कि यद्यपि सरकारों ने तो इसको सिद्धान्त रूप में स्वीकार कर लिया है किन्तु धनाभाव के कारण वे ऐसा कर नहीं पाती हैं। मैं जानना चाहता हूं कि क्या केन्द्रीय मन्त्रालय इस स्थिति में है कि वह वित्तीय सहायता दे करके इस काम को आगे बढ़ाये, इस रोग का निदान करने के बारे में कुछ करे ?

डा० सुशीला नायर : श्रीमन् वित्त मन्त्री जी अभी इस सदन में से गए हैं। उनके पास कुछ अगर साधन विशेष हों जो वह हमको उपलब्ध कर सकेंगे तो इस विषय में हम राज्य सरकारों की सहायता कर सकते हैं।

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने तो सारी हैल्थ मिनिस्ट्री को दिया है न कि मैंटल डिजीजिज के लिए अलग से।

डा० सुशीला नायर : जो इस वक्त हमारे पास पैसा है, उसमें से कोई गुंजाइश नहीं है। अगर और विशेष सहायता स्वास्थ्य मन्त्रालय को मिल सकेगी तो हम इस ओर जरूर ध्यान देंगे।

श्री प० ला० बारूपाल : अभी बताया गया कि धन की कमी की वजह से हम सुविधाओं में विस्तार नहीं कर सकते हैं। लेकिन मैंने देखा है कि दवायें भी नहीं मिल रही हैं। अभी जो राजस्थान में अस्पताल है उनके अन्दर इंजैक्शन वगैरह नहीं मिलते हैं और मरहम पट्टी के लिए चूना भी नहीं मिल रहा है। मैं जानना चाहता हूं कि इसके बारे में क्या किया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय : यह इस सवाल से पैदा नहीं होता है।

Shri Hari Vishnu Kamath: Is the Minister aware that the modern trend is towards psycho-somatic medicine, that is to say, not to separate the body from the mind, but to treat them as one single entity and trace the origin of most diseases to the mind itself?

Dr. Sushila Nayar: Yes, Sir; this is nothing new.

Shri Hari Vishnu Kamath: Nothing new?

श्री यशपाल सिंह : क्या यह सच है कि मैंटल डिजीज का प्रधान कारण तम्बाकू का प्रयोग है ? यदि हां तो क्या सरकार तम्बाकू के इस्तैमाल के खिलाफ कानून बनाने जा रही है ?

Mr. Speaker: It is a sugeestion which the hon. Minister would consider.

श्री विश्राम प्रसाद : क्या यह बतलाने की कृपा की जाएगी कि इन मैंटल अस्पतालों में उन लोगों की जिनकी वजह से देश के हित के खिलाफ बात होती है या देश की पैदावार में कमी होती है, उनके दिमागों की भी दवा की जाएगी ?

डा० लक्ष्मीमल्ल सिंघवी : केन्द्रीय सरकार मानसिक रोगों के उपचार के साथ साथ विशेष रूप से शोध-अनुसन्धान इत्यादि का कोई कार्यक्रम भी प्रस्तावित कर रही है।

डा० सुशीला नायर : आल इण्डिया इंस्टीट्यूट फार मैंटल हैल्थ बंगलौर में इस सम्बन्ध में काम हो रहा है और रांची में जो मानसिक रोगों का अस्पताल है वहां भी अनुसन्धान हो रहा है।

Delhi Water Supply

\+

*635. **Shri Ram Harkh Yadav:**
Shri Sidheshwar Prasad:
Shri Maheswar Naik:
Shri Berwa Kotah:

Will the Minister of **Health** be pleased to state:

(a) whether the supply of water in the Capital is going to be further curtailed from 1st April 1963; and

(b) whether Government propose to hold high level Conference to consider ways and means to improve Capital's water supply?

The Deputy Minister in the Ministry of Health (Dr. D. S. Raju): (a) No. Water supply in Greater Delhi areas is normally restricted to some extent during summer every year and this will be done during the coming summer also in such a away as to avoid hardship to the consumers as far as possible.

(b) Yes, Sir. It is expected to discuss the augmentation of water supply for Delhi at a meeting which is being called by the Ministry of Irrigation & Power.

Shri Maheswar Naik: May I know what is the total availability of water-supply at the moment and what is the *per capita* consumption?

Dr. D. S. Raju: At the moment the water-supply is 97 million gallons. The *per capita* consumption is 40 to 50 gallons

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : जहां अभी चौबीसों घंटे पानी आप नहीं दे रहे हैं, वहां भी पानी की सप्लाई गर्मियों में कम की जाएगी ?

डा० सुशीला नायर : ऐसा विचार है कि दुपहर के बारह बजे से तीन बजे तक और रात के शायद ग्यारह बजे से सुबह के चार बजे तक या बारह बजे से सुबह के चार बजे तक पानी बन्द किया जाए ।

Shri Harish Chandra Mathur: May I know to what extent the water-supply has been improved during the last year and what is the addition which we have been able to make?

Dr. D. S. Raju: The pumping capacity of Chandrawal water-works has been increased by about 3 motors; and 3 million to 4 million gallons will be available this summer extra

श्री कछवाय : दिल्ली की झुग्गी झोंपड़ियों में रहने वाले सात लाख लोगों को जो पानी कम मिलता है पहले से ही, अब जो पानी कम किया जा रहा है, क्या इसका उन पर भी असर पड़ेगा ? उनको विशेष रूप से ज्यादा पानी देने के बारे में सरकार की ओर से क्या कुछ किया जाएगा ?

डा० सुशीला नायर : उनके लिए बहुत सा पानी दिया जाता है और हकीकत यह है कि जो इस प्रकार से स्टैंड पोस्ट बनाये जाते हैं उन स्टैंड पोस्ट्स में इतना पानी का अकसर दुर्व्यय होता है कि न केवल पानी जाया जाता है बल्कि कारपोरेशन के रेवेन्यू का भी नुकसान होता है ।

श्री ओंकार लाल बेरवा : इस समय पानी की कमी के कारण क्या कोई कुएं बनाने का भी सरकार का विचार है ? क्या कोई कुओं की खुदाई में भी सहायता दी जा रही है

डा० सुशीला नायर : कुओं का पानी दिल्ली वालों को पिलाने का कोई विशेष इरादा तो नहीं है क्योंकि उसको सुरक्षित नहीं समझा जाता है । यों बीच में इस चीनी आक्रमण की वजह से छः सौ हैंड पम्प लगाये गये हैं अलग अलग जगहों पर ताकि अगर आपत्ति का समय आये तो पानी मिल सके ।

श्री रा० शि० पाण्डेय : एक बार इसी सदन में माननीय मन्त्री जी ने बतलाया था कि पानी तो बहुत है लेकिन पाइप लाइन सकरी होने की वजह से वह पानी नहीं दे पातीं । मैं जानना चाहता हूं कि बड़ी पाइप लाइन डालने के लिये क्या व्यवस्था की जा रही है, और उसमें कितना समय लगेगा ।

डा० सुशीला नायर : बहुत सी जगहों पर तो पाइप लाइन डाली गई हैं जिनसे इस साल काफी सुविधा हो जानी चाहिये । कुछ ऐसी जगहें हैं जहां पर पाइप डालने का काम जरा लम्बा है । वह सन् १९६४-६५ तक समाप्त हो सकेगा ।